Q:- प्रतिभूमण्डलीकरण क्या है? इसके समस्त आयामों के बारे में समझाएँ। [300 w]

→ प्रतिभूमण्डलीकरण दुनिया भर के समस्त इकाइयों मुख्यतः राष्ट्रों - राष्ट्रों एवं राष्ट्र - राज्यों के बीच अंतर, निर्भरता एवं एकीकरण को कम करने की प्रक्रिया है।

यह मुख्यतः वैश्वीकरण का विपरित भाग है परंतु यह एक - दूसरे का दर्पण चित्र नहीं है। प्रतिभूमण्डलीकरण मुख्यतः दो बार लंबे समय तक हुआ -

i) 1930 के दशक की महान मंदी के कारण
ii) 2010 के राजनीतिक निर्णयों के कारण

प्रतिभूमण्डलीकरण के मापदण्ड

आर्थिक प्रतिभूमण्डलीकरण को कई प्रकार से मापा जा सकता है। इनमें -

i) राष्ट्रीय आय व जनसंख्या के अनुपात के अनुसार वस्तुओं एवं सेवाओं का आयात - निर्यात।
ii) जनसंख्या पर आधारित श्रम बल एवं सकल घरेलु उत्पाद में प्रतिशत का कम या ज्यादा होना।
iii) औसत टैरिफ
iv) श्रम पर सीमा प्रतिबंध
v) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश या बाहरी निवेश पर प्रतिबंध आदि

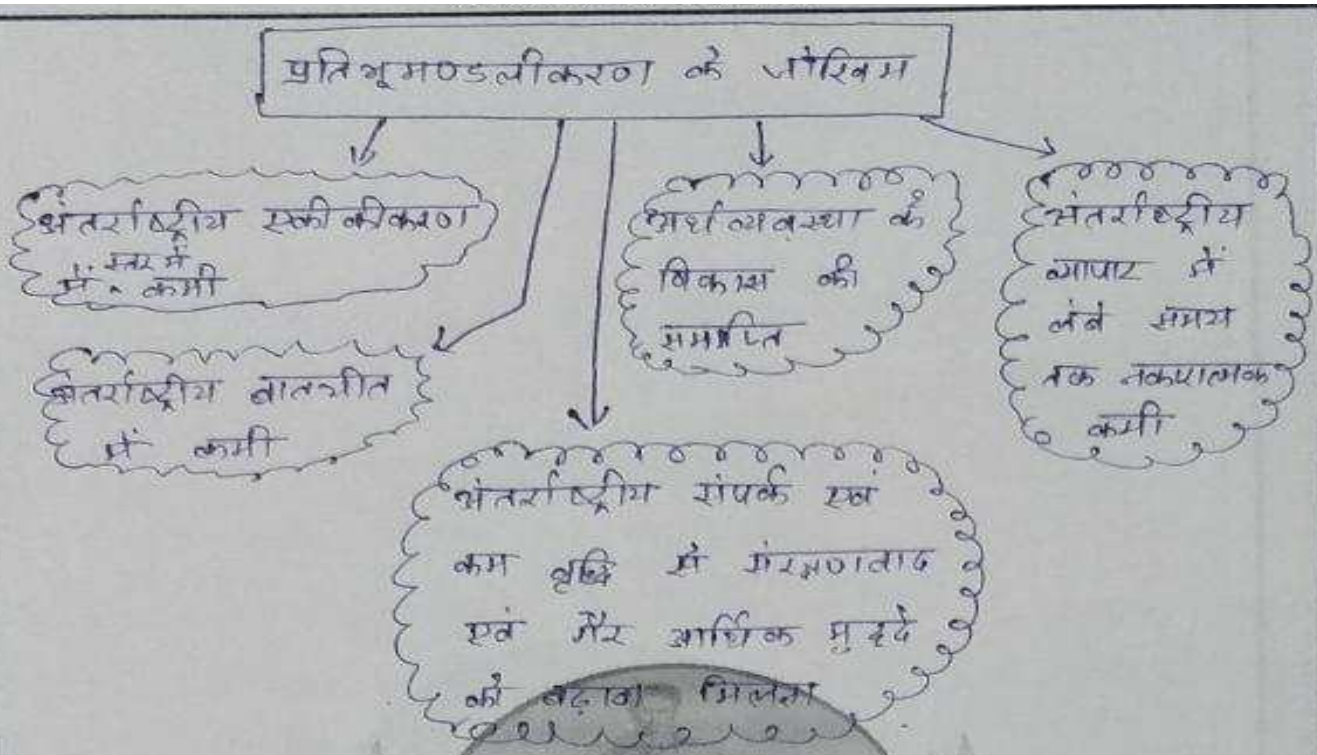

→ प्रतिभूमण्डलीकरण से अंतर्राष्ट्रीय एकीकरण में कमी होती है एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में लंबे समय तक नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

→ इसी कारण अमेरिका ने अमेरिका फर्स्ट एवं ब्रिटेन ने ब्रेक्जिट अपनाया।

BHOPAL
Established since 1990

निष्कर्ष

भूमण्डलीकरण से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी प्रतिस्पर्धा उत्पन्न हुई है जिससे उपभोक्ता को अच्छे से अच्छे सामान मिल पाता है वहीं प्रतिभूमण्डलीकरण के कारण अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में के विकास में कमी हो सकती है एवं इससे संरक्षणवाद एवं गैर आर्थिक मुद्दे को बढ़ावा मिलेगा।